महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज संस्थान - म.प्र.

पहल

ई–समाचार पत्र (मासिक) – साठवां संस्करण (माह दिसंबर, 2020)

➔ ''पहल'' के इस संस्करण में .....

1. अपनी बात ....
2. **"Spatial Planning for GPDP"** विषय पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (वेबिनार)
3. गृह प्रवेश कार्यक्रम का सफल आयोजन
4. एमआरपी द्वारा रक्तदान एवं स्वच्छता अभियान
5. आपदा प्रबंधन के प्रकार – चक्रवात
6. ग्रामीण जन हेतु स्वच्छता जागरूक अभियान
7. होम आइसोलेशन या होम क्वारंटाइन में रखी जाने वाली सावधानियां
8. हिन्दी दिवस पर कविता – ''हिन्दी का गौरव''
9. कचरे से करोडों की आय
10. आवास से बढ़ा मान सम्मान और इज्जत
11. कोरोना संक्रमण रोकने हेतु सक्रिय एम.आर.पी.
12. नई शिक्षा नीति 2020 (स्कूल शिक्षा के संदर्भ में)
13. कोरोनो से बचाव में किये गये अभिनव प्रयास
14. सपनों को साकार करता समूह
15. सिंगल यूज प्लास्टिक हेतु जागरूकता अभियान
16. विधवा महिला का पुनःविवाह एक नई मिसाल बनी
17. कोविड–19 में मनरेगा बना मजदूरो का सहारा
18. नाला बन गया झील
19. प्रशिक्षित ग्रामीण महिला राजमिस्त्री – महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ओर सकारात्मक पहल

प्रकाशन समिति

संरक्षक एवं सलाहकार
श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव (IAS)
अपर मुख्य सचिव,
मध्यप्रदेश शासन
पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग

प्रधान संपादक
श्री संजय कुमार सराफ,
संचालक,
महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास
एवं पंचायतराज संस्थान–म.प्र., जबलपुर

सह संपादक
श्रीमती सुनीता चौबे,
उप संचालक, म.गां.रा.ग्रा.वि.पं.रा.स.–म.प्र., जबलपुर

ई–न्यूज के सम्बन्ध में अपने फीडबैक एवं आलेख छपवाने हेतु कृपया इस पते पर मेल करें–**mgsirdpahal@gmail.com**
Our official Website : www.mgsird.org, Phone : 0761-2681450 Fax : 761-2681870
Designed & Developed By : Mr. Jay Kumar Shrivastava, Programmer, MGSIRD&PR, JABALPUR

अपनी बात...

''पहल'' मासिक ई–न्यूज लेटर का साठवां संस्करण का प्रकाशन किया जा रहा है, जो वर्ष 2020 का दसवां मासिक संस्करण है।

इस संस्करण में "Spatial Planing for Gram Panchayat Development Plan(GPDP) for the State of Madhya Pradesh" विषय पर संस्थान एवं समस्त क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज प्रशिक्षण केन्द्रों के अधिकारी/संकाय सदस्य तथा प्रोग्रामर, जिला पंचायतों के अधिकारियों का प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण 5 दिवसीय वेबिनार दिनांक 14 से 18 सितंबर 2020 अवधि में राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज संस्थान, हैदराबाद एवं Centre for Geo-informatics Applications in Rural Development (CGARD) के सहयोग से महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज संस्थान, जबलपुर द्वारा आयोजित किया गया। इस समाचार को भी **''Spatial Planning for GPDP विषय पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (वेबिनार)''** आलेख के रूप में इस संस्करण में शामिल किया गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने दिनांक 12 सितंबर को मध्यप्रदेश के 1.75 लाख परिवारों को वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से गृह प्रवेश कराया। जिसे **''मध्यप्रदेश में गृह प्रवेश कार्यक्रम का सफल आयोजन''** समाचार आलेख के रूप में शामिल किया गया है।

इसके साथ–साथ **''मध्यप्रदेश में गृह प्रवेश कार्यक्रम का सफल आयोजन'', ''मास्टर रिसोर्स पर्सन द्वारा रक्तदान एवं स्वच्छता का अभियान'', ''आपदा प्रबंधन के प्रकार – चक्रवात'', ''मास्टर रिसोर्स पर्सन एवं स्वयं सेवकों द्वारा ग्रामीण जन हेतु स्वच्छता एवं सफाई जागरूक अभियान'', ''होम आइसोलेशन या होम क्वारंटाइन में रखी जाने वाली सावधानियां'', ''हिन्दी दिवस पर कविता – ''हिन्दी का गौरव'', ''कचरे से करोडों की आय – ग्राम पंचायत दालौदा चौपाटी'', ''प्रधानमंत्री आवास योजना अन्तर्गत आवास निर्माण से हितग्राही का मान सम्मान और इज्जत बढ़ी'', ''लॉकडाउन में कोरोना वायरस के संक्रमण रोकने हेतु सक्रिय मास्टर रिसोर्स परसन'', ''नई शिक्षा नीति 2020 (स्कूल शिक्षा के संदर्भ में)'', ''कोरोनो संक्रमण से बचाव की मुहिम में किये गये अभिनव प्रयास'', ''सपनों को साकार करता समूह'', ''सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रति जागरूकता अभियान'', ''विधवा महिला का पुनःविवाह जिले में एक नई मिसाल बनी'', ''कोविड–19 में मनरेगा गारंटी अधिनियम बना मजदूरो का सहारा'', ''नाला बन गया झील''** एवं **''प्रशिक्षित ग्रामीण महिला राजमिस्त्री के हुनर का प्रेरणादाई अनुकरणीय उदाहरण – महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ओर सकारात्मक पहल''** आदि आलेखों को शामिल किया गया है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि 'पहल' का यह संस्करण आपको अत्यंत रूचिकर, नवीन उपयोगी एवं आवश्यक जानकारी प्रदान करने वाला रहेगा।

शुभकामनाओं सहित।

संजय कुमार सराफ
संचालक

"Spatial Planning for GPDP" विषय पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (वेबिनार)

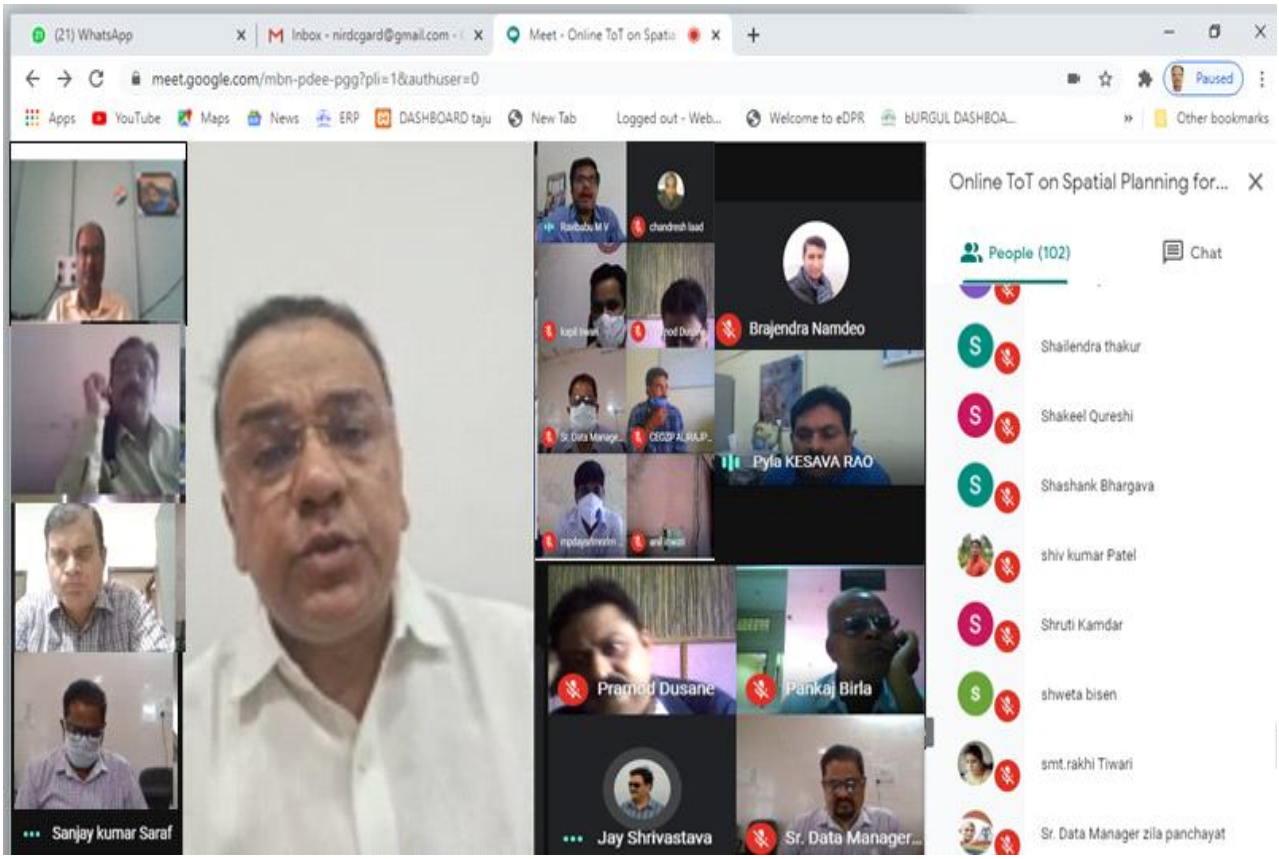

"Spatial Planing for Gram Panchayat Development Plan(GPDP) for the State of Madhya Pradesh" विषय पर संस्थान एवं समस्त क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज प्रशिक्षण केन्द्रों के अधिकारी/संकाय सदस्य तथा प्रोग्रामर के साथ–साथ प्रदेश की सभी जिला पंचायतों के अधिकारियों का प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण 5 दिवसीय वेबिनार दिनांक 14 से 18 सितंबर 2020 अवधि में राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज संस्थान, हैदराबाद एवं Centre for Geo-informatics Applications in Rural Development (CGARD) के सहयोग से महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज संस्थान, जबलपुर द्वारा आयोजित किया गया।

ग्राम पंचायतें विकास के लिए वार्षिक योजना (जीपीडीपी) तैयार करती हैं एवं बड़ी मात्रा में संसाधनों का उपयोग योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए किया जाता है। इस तरह की योजनाऐं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध आंकड़ों तथा सहज स्थानिक ज्ञान के आधार पर तैयार की जाती हैं। वास्तविक आंकड़े प्राप्त करके तथा भौगौलिक आंकड़ों के उपयोग से ग्राम पंचायत स्तर पर योजनाओं का प्रदर्शन करके योजनाओं के नियोजन में निष्पक्षता की आवश्यकता है। ग्राम पंचायत के सतत विकास हेतु योजना बनाने में उपयोगकर्ता को भौगोलिक आंकड़ें की वास्तविक उपलब्धता से बेहतर निर्णय लेने में यह सक्षम बनायेगी।

स्थानीय स्वशासन में स्थानिक योजना का उपयोग ग्राम पंचायत के कार्यों में पारदर्शिता और जबावदेही सुनिश्चित कर सकता है। जीएसआईएस और सेटेलाइट इमेजनरी की सहायता से परियोजनाओं का एक विस्तृत रिकार्ड रखा जा सकता है, जिसे कभी भी एक्सेस किया जा सकता है। परियोजनाओं का भौतिक सत्यापन कोई भी, कही से भी, किसी भी समय कर सकता हैं। जीआईएस के उपयोग से

हितग्राहियों के बीच पंचायतराज संस्थाओं की स्वीकार्यता और वैद्यता को बढ़ाया जा सकता है।

इसे देखते हुंए, रिमोट सेंसिंग, जीआईएस, जीपीएस, ग्राम मानचित्र और भुवन पंचायत पोर्टल जैसे विभिन्न टूल्स का उपयोग करके जीपीडीपी के लिए स्थानिक योजना पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रस्तावित है।

यह प्रशिक्षण व्यापक रूप से ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीरडीपी) में जीआईएस की अवधारणा, रिमोट सेंसिंग, जीपीएस एवं ग्राम मानचित्र, भुवन पंचायत पोर्टल, सेटलाईट डेटा का अध्ययन की तकनीक एवं डाटा सोर्स के उपयोग पर आधारित रहा। इन विषयों पर आपरेटिंग कार्यप्रणाली सिखाई गई और विभिन्न इनबिल्ट फीचर के बारे जानकारी दी गई।

डॉ. एन.एस.आर. प्रसाद, कोर्स डायरेक्टर द्वारा प्रशिक्षण में मुख्य अतिथि के रूप में श्री संजय कुमार सराफ, संचालक महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज संस्थान–म.प्र., जबलपुर का स्वागत किया, साथ ही डॉ. पी.केसवा राव, हेड सीगार्ड का भी स्वागत किया गया।

श्री संजय कुमार सराफ, संचालक, महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज संस्थान, द्वारा जबलपुर प्रशिक्षण का इनॉग्रेशन किया गया।

संचालक महोदय ने सभी प्रतिभागियों को इस प्रशिक्षण के संबंध में मार्गदर्शन देते हुये कहा कि आधुनिक तकनीकी माध्यमों के उपयोग से जीपीडीपी और अधिक वास्तविक एवं बेहतर बनायी जा सकेगी एवं इससे पारदर्शिता और जबावदेही को बढ़ावा मिलेगा।

डॉ. पी.केसवा राव जी, हेड, सीगार्ड द्वारा भी इस प्रशिक्षण की उपयोगिता को बताया गया। ासथ ही डॉ. एम.व्ही. रविबाबू, एसोसियेट प्रोफेसर, डॉ. किरण जालेम, असिस्टेंट प्रोफेसर तथा संस्थान की ओर से श्रीमती सुनीता चौबे, उप संचालक (प्रशिक्षण), श्री एस. के. सचान, उपसंचालक (समन्वय), डॉ. अश्विनी अंबर, उप संचालक (प्रशासन) तथा प्रशिक्षण के लोकल कोर्स कॉर्डीनेटर श्री जय कुमार श्रीवास्तव एवं श्री आशीष कुमार दुबे भी उपस्थित रहे।

श्री जय कुमार श्रीवास्तव द्वारा संचालक महोदय, महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज संस्थान–म.प्र., जबलपुर, डॉ. पी.केसवा राव जी, हेड, सीगार्ड, एन.आई.आर.डी. की ओर से प्रशिक्षण से जुड़े सभी लोगों का धन्यवाद दिया गया।

पांच दिवसीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीरडीपी) में जीआईएस की अवधारणा, रिमोट सेंसिंग, जीपीएस एवं ग्राम मानचित्र, भुवन पंचायत पोर्टल, सेटलाईट डेटा का अध्ययन की तकनीक एवं डाटा सोर्स के उपयोग पर आधारित रहा। इन विषयों पर आपरेटिंग कार्यप्रणाली सिखाई गई और विभिन्न इनबिल्ट फीचर के बारे जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के दौरान 4 क्विज 10–10 अंकों की रखी गई जिनमें से 3 क्विज में 30 अंक निर्धारित थे एवं प्रशिक्षण पश्चात प्रतिभागियों से किसी एक ग्राम पंचायत की जीपीडीपी रिपोर्ट बनाकर प्रस्तुत करवायी गई जिस पर 20 अंक निर्धारित थे। प्रशिक्षण में संस्थान एवं समस्त क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज प्रशिक्षण केन्द्रों तथा प्रदेश की जिला पंचायतों के कुल 118 प्रतिभागियों द्वारा ऑनलाइन नामांकन दर्ज किया गया तथा प्रशिक्षण के दौरान क्विज एवं रिपोर्ट में भाग लिया, जिनमें से 72 प्रतिभागी 50 अंकों में 50 प्रतिशत अंक या इससे अधिक प्राप्त प्रतिभागियों कर सर्टीफाइड हुये।

प्रशिक्षण के अंत में सभी प्रतिभागियों द्वारा प्रशिक्षण से संबंधित फीडबैक एवं सुझाव दिये गये, सभी का धन्यवाद देते हुये प्रशिक्षण का समापन किया गया।

जय कुमार श्रीवास्तव
प्रोग्रामर

मध्यप्रदेश में गृह प्रवेश कार्यक्रम का सफल आयोजन

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिनांक 12 सितंबर को मध्यप्रदेश के 1.75 लाख परिवारों को वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से गृह प्रवेश कराया। इसके साथ ही इन परिवारों को अपना आशियाना मिल गया।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडियों कान्फ्रेसिग के जरिये मुरैना से कार्यक्रम में प्रधानमंत्री का स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत निर्मित घरों में पहले लोग आना नहीं चाहते थे। अब नई सोच के साथ प्रक्रिया को पारदर्शिता बनाया ।

प्रधानमंत्री जी ने गृह प्रवेश कार्यक्रम के दौरान ग्वालियर के नरेन्द्र नामदेव, धार जिले के गुलाब सिंह आदिवासी से चर्चा कर घर के बाहर बनी चित्रकला की प्रशंसा की। सिंगरौली जिले के प्यारिलाल यादव से प्रधानमंत्री ने पूछा कैसा लग रहा है नये घर में प्रवेश करने पर। प्यारेलाल जी का जबाव था बहुत अच्छा घर हो अपना पूरा हो गया सपना भारत सरकार एवं राज्य सरकार के कारण झुग्गी झोपडी में रहने वाले का आज पक्का घर मिल गया है। पहले लोग सरकार के पास जाते थे अब सरकार लोगों के पास जा रहीं है।

मध्यप्रदेश शासन ने प्रधानमंत्री आवास योजना – ग्रामीण के अंतर्गत रिकार्ड गति में आवास को पूर्ण किये है। एक मकान निर्माण में 125 दिन लगते है, मध्यप्रदेश में बहुत से मकान लगभग 45 से 60 दिनों में बन गये है। यह आपदा को अवसर में बदलने का सबसे अच्छा उदाहरण है। कोरोना काल में तमाम रूकावटों के बीच 1.75 लाख आवास पूर्ण हुये है।

यह मध्यप्रदेश शासन की उपलब्धी एवं यही रिकार्ड रहा तो हम अपने लक्ष्य को 2022 तक हर परिवार को पक्का आवास देकर पूर्ण कर लेगें। मध्यप्रदेश के सभी जिलों में गृह प्रवेश का

सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। निश्चित ही भारत में मध्यप्रदेश शासन द्वारा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के माध्यम से गृह प्रवेश्म कार्यक्रम के द्वारा गृह प्रवेश कराना सफल प्रयास है ।

सी.के. चौबे,
संकाय सदस्य

मास्टर रिसोर्स पर्सन द्वारा रक्तदान एवं स्वच्छता का अभियान

जनपद पंचायत सिलवानी जिला रायसेन में मास्टर रिसोर्स पर्सन (एमआरपी) एवं नेहरू युवा केन्द्र की संयुक्त टीम द्वारा दिनांक 27/08/2020 को एमआरपी प्रदीप कुशवाहा एवं नेहरू युवा केन्द्र के ब्लॉक प्रभारी केशव रघुवंशी राजेश कुशवाहा नंदकिशोर कुशवाहा अमित रैकवार लक्ष्मीनारायण कुशवाहा सुभम राजेन्द्र रजक राजेश मनीष साहू द्वारा शासकीय अस्पताल सिलवानी के डॉक्टरों से संपर्क करने पर पाया गया कि अस्पताल में भर्ती मरीजों के लिए रक्त की कमी है एवं विकास खंण्ड स्वस्थ्य अधिकारी हरिनारायण मरंडे, संयम सराठे, एवं अनिल साहू जी द्वारा बताया गया कि कोविड मरीजों के लिए प्लाज्मा थेरिपी के लिये प्लाजमा की आवश्यकता है।

जिसके पश्चात् एमआरपी प्रदीप कुशवाहा एवं नेहरू युवा केन्द्र के ब्लॉक प्रभारी केशव रघुवंशी द्वारा मरीजों के लिए रक्तदान एवं कोविड से ठीक हो चुके लोगों द्वारा प्लाजमा डोनेट जैसे कार्य को करने का विचार आया एवं दोनों लोगों ने मिलकर कुछ और लोगों को जोड़कर रक्तदान एवं प्लाजमा डोनेट करने के लिए प्रेरित किया जिससे सभी लोग सहमत हो गये एवं कोविड मरीजों के लिए रक्तदान किया गया। एवं सभी सदस्यों द्वारा असपताल में भर्ती मरीजों को फल वितरित किये गये।

इसी प्रकार माननीय प्रधानमंत्री जी के जन्म दिवस के अवसर पर स्वच्छता अभियान चलाकर अपनी ग्राम पंचायत में साफ–सफाई का कार्य किया गया। एवं सभी ग्राम वासियों को शौचालय का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। ताकि अपनी ग्राम पंचायत को साफ–स्वच्छ रखा जा सके।

इस प्रकार के दोनों ही सामाजिक कार्यों के लिए सभी को ग्राम प्रधान के द्वारा सराहना की गई एवं उन्हें इस प्रकार के समाज से जुड़े कार्य आगे भी करते रहने के लिए प्रेरित किया।

आशीष कुमार सोनी,
प्रोग्रामर

आपदा प्रबंधन के प्रकार – चक्रवात

क्या करें, क्या न करें –

- चक्रवात की गति मार्गो की अद्यतन जानकारी रेडियों व अन्य संचार माध्यमों से प्राप्त करते रहे।
- अपने समुदाय के लोगों को आने वाले खतरों के प्रति सावधान करें।
- अपने आसपास के शरण स्थलों व वहॉ तक पहुॅचने के मार्ग की जानकारी रखें।
- आपातकालीन किट और आवश्यक खाद्य सामग्री, दवाऍ, टॉर्च एवं बैटरी आदि तैयारी रखें।
- दरवाजे, खिडकियॉ, छत और दीवारों को मरम्मत के माध्यम के माध्यम से चक्रवात के मौसम से पहले मजबूत करें।
- सुरक्षित स्थानों में पर्याप्त अनाज और पानी संग्रह रखें।
- अपने समुदाय के लिए नकली अभ्यास (मॉक ड्रिल) का आयोजन करें।
- यदि आश्रय स्थल पर नहीं जा सकते है तो अपने घर के मजबूत भाग के अंदर रहें।
- जब तक आधिकारिक सूचना न मिले कि घर से बाहर जाना सुरक्षित है तब तक घर से बाहर न निकलें।
- घर लौटने के लिए निर्देशित मार्ग का ही पालन करें, घर पहुॅचने की जल्दी ना करें।
- टूटी विद्युत लाइनों, क्षतिग्रस्त सड़कों और टूटे वृक्षों से सावधान रहें।

भूस्खलन

क्या करें, क्या न करें –

- ढलान, पहाड़ी सिरों के किनारे, जल निकासी के पास या प्राकृतिक कटाव वाली घाटियों के पास घर बनाने से बचे।
- यथाशीघ्र भूस्खलन के क्षेत्र से दूर चले जायें।
- अपने आसपास की जमीन में होने वाले परिवर्तनों का ध्यान रखें।
- सतर्क और जागृत रहें, कई लोगों की मृत्यु भूस्खलन के दौरान सोते रहने से होती है।
- असामान्य आवाज से सतर्क रहें जैसे – पेड़ के टूटने या चटकने, पत्थरों के टकराने की आवाज इत्यादि भूस्खलन का संकेत हो सकती है।
- भूस्खलन के दौरान नदी घाटियों और निचले इलाकों से दूर रहें।
- यदि आप एक नदी या जल स्त्रोत के पास है तो जल स्तर में हुई अचानक वृद्धि या पानी के प्रवाह में हुई कमी से सतर्क रहें। पानी का अचानक गंदा/मैला हो जाना, भूस्खलन आने का संकेत हो सकता है।
- अपने निकटतम शरण स्थल पर आश्रय लें ताकि आप भूस्खलन से सुरक्षित रहें।
- अगर आपको जगह खाली करने के लिए निर्देशित किया गया हो तो एक नामित सार्वजनिक आश्रय के लिए प्रस्थान करें।
- भूस्खलन के क्षेत्र से दूर रहें, वहॉ अतिरिक्त भूस्खलन होने का खतरा हो सकता है।

भूस्खलन क्षेत्र में प्रवेश किए बिना घायल और फंसे व्यक्तियों की जॉच करें तथा बचाव दल को उनके स्थान के लिए निर्देशित करें।

डॉ. त्रिलोचन सिंह,
संकाय सदस्य

मास्टर रिसोर्स पर्सन एवं स्वयं सेवकों द्वारा ग्रामीण जन हेतु स्वच्छता एवं सफाई जागरूक अभियान

जनपद पंचायत–अम्बाह, जिला–मुरैना के मास्टर रिसोर्स पर्सन (एम.आर.पी) श्री अजय सिंह तोमर एवं साथी स्वंयसेवकों द्वारा विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के प्रति ग्राम वासियों को जागरूक किया गया एवं नित्य जीवन में स्वच्छता की उपयोगिता बताई गई। इस अवसर पर ग्रामीण जनों को उनके कर्त्वयों से अवगत कराया गया कि किस तरह से अपने ग्राम को साफ एवं स्वच्छ रखा जा सकता है। इस अभियान में ग्रामीण वासियों के सभी वर्ग एवं आयु के लोगों को शामिल किया गया।

स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन कर एमआरपी एवं स्वंय सेवकों द्वारा ग्रामीण जन के बुजुर्ग, शिक्षित एवं समझदार लोंगो को स्वच्छता से जुड़ी तकनीकी ज्ञान से अवगत कराया गया ।

ग्रामीण क्षेत्रों के बाल एवं युवाओं के साथ विभिन्न कार्यक्रम/ शिविर का आयोजन कर उन्हें कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु सुझाव दिये गये। सुझाव अंतर्गत चेहरे पर मास्क लगाना, साबुन या

सैनेटाइज़र का उपयोग कर हाथों को स्वच्छ करना, सामाजिक दूरी का पालन करना एवं भीड़ वाली जगहों से बचकर रहना आदि बताया गया।

इस अवसर पर मास्टर रिसोर्स पर्सन (एमआरपी) एवं स्वयंसेवकों द्वारा ग्रामीण जनों के साथ मिलकर श्रम दान भी दिया गया जिसका बहुत अधिक प्रभाव ग्रामीण जनों पर हुआ एवं प्रोत्साहित होकर ग्रामीण जनों द्वारा बढ़ चढ़ कर स्वच्छता अभियान में भाग लिया गया।

स्वच्छता कार्यक्रम अंतर्गत ग्रामीण विधालयों में विधार्थियों को स्वच्छता के प्रति उनके दायित्व के बारे बताया गया एवं महामारी कोरोना संक्रमण को किस तरह से दूर रहा जा सकता है के बारे में अवगत कराया गया। प्राकृतिक रूप से शरीर की आंतरिक शक्ति (इम्यूनिटी) को मजबूत रखने एवं को स्वस्थ्य रखने हेतु इस कार्यक्रम में विभिन्न अतिथि के रूप में श्री भीकम सिंह तोमर (बाल कल्याण समिति के सदस्य), अरविंद सिंह तोमर (वरिष्ठ समाजसेवी), ग्राम पंचायत दिमनी के सरपंच रामबरन कुशवाहा, सहायक सचिव महावीर उपाध्याय, नेहरू युवा केंद्र के जिला/ब्लॉक युवा समन्वयक अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

ग्रामीण क्षेत्र अंतर्गत समस्त समाज एवं वर्ग के लोगों ने भरपूर सहयोग कर एम.आर.पी एवं स्वंयसेवकों द्वारा प्रायोजित स्वच्छता अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस स्वच्छता अभियान से कई गांवों को जोड़ा गया एवं उन्हे प्रोत्साहित भी किया गया। इस कारण से आज भी वह लोग स्वच्छता पर काम कर रहे हैं। यह एक उपलब्धि के रूप में जनअभियान की सफलता है जिसक कारण से मुरैना जिले को स्वच्छता की श्रेणी में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ था।

उमेश मिश्रा,
संकाय सदस्य

होम आइसोलेशन या होम क्वारंटाइन में रखी जाने वाली सावधानियां

होम आइसोलेसन में किसे रहना है?

कोरेना वायरस संक्रमण से प्रभावित क्षेत्रों से होकर आये बिना लक्षण वाले लोग अथवा ऐंसे व्यक्तियों के संपर्क में आये लोगों को होम आइसोलेशन में रहना चाहिए

क्या करना है –

- एक ऐंसे अलग हवादार कमरे में परिवार के अन्य सदस्यों से दूर रहें जिसमें अलग बिस्तर और शौचालय की व्यवस्था हो और उस कमरे का उपयोग सिर्फ होम आइसोलेशन में रह रहा व्यक्ति ही करे।

- अपने उपयोग का सामान जैसे कपड़े, बर्तन, तौलिया आदि अलग रखें और खुद ही उन्हें रोज अच्छी तरह से विसंक्रमित और साफ करें।

- घर के भीतर किसी से भी मिलते समय मास्क पहने।
- बार बार साबुन तथा पानी से हाथ धोएं।

गरम पानी पियें, पौष्ठिक आहार और तरल पदार्थ लेते रहें, हो तो स्वास्थ्य विभाग को सूचित करें।

- फोन में सार्थक एप्प/आरोग्य सेतु एप्प डाऊनलोड कर, उसमें आवश्यक जानकारी रोज भरें।
- चिकित्सकीय परामर्श के अनुरूप हाईड्राक्सी क्लोरोक्वीन लें।
- विटामिन C युक्त पदार्थों का नियमित सेवन करें।

क्या नहीं करना है –

- घर के अन्य कमरों में न जाएँ।
- अपने उपयोग के अलावा अन्य चीजों को न छुए।
- इधर उधर थूकें नहीं।
- घर में यदि गर्भवती महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों या पहले से गंभीर बीमार व्यक्ति है तो उनसे बिलकुल दूर रहें, या फिर बेहतर होगा कि आप होम क्वारंटाइन के बजाय संस्थागत क्वारंटाइन में चले जाए।

खतरे के लक्षण क्या हैं –

- लगातार तेज बुखार
- सीने अथवा गले में लगातार दर्द या भारीपन
- मानसिक भ्रम या सचेत होने में कठिनाई

- होंठ तथा चेहरे का नीला पड़ना

जैसे लक्षण होने पर तुरंत स्वास्थ्य अधिकारियों को सूचित करें।

देखभाल करने वाले लोगों को क्या क्या करना है –

- जब होम क्वारंटाइन व्यक्ति के संपर्क में आये तो मास्क पहन कर रखें।
- घर के अन्य लोगों से सुरक्षित दूरी बनाकर मिलें।
- अपने स्वयं के सवास्थ्य का ध्यान रखें और सर्दी जुखाम बुखार जैसे लक्षण होने पर तुरंत जांच करवाएं।
- अन्य लोगों से न मिले जुलें न ही किसी बाहरी लोगों को घर में आने दें।
- बाजार, पार्क, कार्यालय जैसे अन्य सार्वजनिक स्थानों पर न जाएँ।

होम क्वारंटाइन में कितने दिन रहना है–

- **Covid-19** पुष्ट केस के संपर्क में आने की तारीख से 14 दिनों तक लक्षण रहित होने पर, अथवा संदिग्ध इंडेक्स केस की जांच रिपोर्ट नेगेटिव आने तक अथवा चिकित्सकीय परामर्श पर।**(सौजन्य–लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग म.प्र.)**

पंकज राय,
संकाय सदस्य

हिन्दी दिवस पर कविता – ''हिन्दी का गौरव''

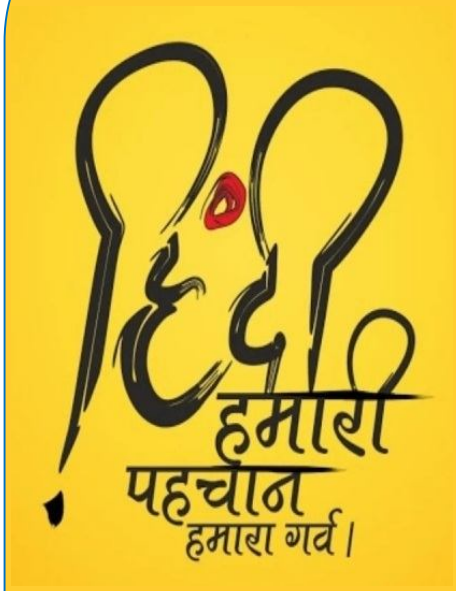

बढ़ाये हिंदी का मान,
बढ़ाये हिंदी का सम्मान,
हिंदी हमारी भाषा प्यारी,
सहज, सरल, सभी को भांति,
हिंदी है, हिन्दुस्तां की जननी,
आम जन की माता है, हिंदी,
संस्कृति, सभ्यता, साहित्य की जननी,
शिष्टाचार, सदाचार, आदर की जननी,
मातृत्व का भाव जगाती, हम सभी का गौरव बढाती
करे हिंदी का सम्मान तो, होगा हमारा राष्ट्र महान,
करे, प्रण, प्रतिज्ञा मन से, हिंदी हो राष्ट्र भाषा आज से..

संजय जोशी,
संकाय सदस्य

कचरे से करोडों की आय – ग्राम पंचायत दालौदा चौपाटी

क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज प्रशिक्षण केन्द्र उज्जैन से 149.4 किलो मीटर दूर मध्यप्रदेश स्टेट के मंदसौर जिले के जनपद पंचायत मदंसौर के हाईवे पर स्थित है ग्राम पंचायत दालौदा चौपाटी। यहा के सरपंच है श्री विपिन जैन जिन्होने अपने कार्याकाल में उत्कुष्ट कार्य कराकर ग्राम पंचायत दालौदा चौपाटी को एक आदर्श पंचायत के रुप में विकसित किया है ग्राम पंचायत दालौदा चौपाटी ISO -9001-2008 प्रमाणित ग्राम पंचायत है पूर्व ग्राम पंचायत की हालत अन्य सभी ग्राम पंचायतों की तरह ही खराब थी, किन्तु श्री विपिन जैन के कुशल नेतृत्व एवं प्रबंधन से ग्राम पंचायत दालौदा चौपाटी में विकास की नई राह खुल गयी है।

ग्राम पंचायत द्वारा कराये गये उल्लेखनीय कार्य जिनमें –

- सर्वप्रथम सी. सी रोड का निर्माण
- पक्की नाली का निर्माण
- स्ट्रीट लाइट्स से जगमगाती ग्राम पंचायत
- आर ओ द्वारा शुद्ध पेय जल की घर–घर जाकर सप्लाई
- परिणयोत्सव, मांगलिक कार्यो, सामाजिक कार्यो हेतु परिणय रिजोर्ट का निर्माण (जिसमें 10 ए.सी. फीट है)
- शापिग काम्प्लेक्स का निर्माण

ग्राम पंचायत में कचरा प्रबंधन हेतु घर–घर जाकर कचरे का कलेक्शन किया जा रहा है जिसके लिये दो कचरा वाहन कलेक्शन हेतु लगाये गये है तथा गाडी न जा सके वहा साईकिल द्वारा भी कचरा उठाया जा रहा है। कचरे का प्रबंधन कर उसे पृथक एवं वर्गीकृत किया जाता है। जिस कचरे को बेचकर आय प्राप्त की जा सके वह बेचा जाता है तथा अन्य कचरे से खाद का निर्माण किया जाता है कचरे को रिसाईकिल कर अन्य आय के स्त्रोत तलाशे गये है। ग्राम पंचायत में 25 लीटर क्षमता के डस्टबिन वितरित किये गये इससे न सिर्फ ग्राम की सडके स्वच्छ हो गई ग्राम पंचायत का स्वछता कार्यक्रम किसी शहर से भी कम नही है।

ग्राम पंचायत के आय के स्त्रोत–

- स्वकराधन से आय संपति कर से आय 75 लाख
- शापिग काम्प्लेक्स से 4.25 करोड की आय
- बाजारों में होर्डिग्स (विज्ञापन) से आय

ग्राम पंचायत दालौदा चौपाटी को अपने उत्कृष्ट कार्यो के लिये कई पुरुषकारों से पुरुस्कृत किया जा चुका है। सन् 2017–18 का प्रधानमंत्री आवार्ड भी पंचायतराज दिवस के दिन भी यह ग्राम पंचायत प्राप्त की चुकी है इस पुरुस्कार में ग्राम पंचायत को 15 लाख से 45 लाख की राशि प्रदान की जाती है। इस पुरुस्कार में जिला पंचायत की टीम जनपद पंचायत की टीम एवं भारत सरकार की टीम द्वारा जांच उपरांत चयन कर पुरुस्कार दिया जाता है।

इस तरह से ग्राम पंचायत दालौदा चौपाटी के निवासी इस आदर्श ग्राम पंचायत को पाकर काफी खुश है तथा वे स्वयं प्रेरित होकर पंचायत का संपत्ति कर एवं अन्य कर जमा करने लगे है। निश्चित रुप से ग्राम पंचायत दालौदा चौपाटी जिला मंदसौर एक आदर्श ग्राम पंचायत है जिसे देखने लोग दूर–दूर से आते है।

अभिषेक नागवंशी
संकाय सदस्य

प्रधानमंत्री आवास योजना अन्तर्गत आवास निर्माण से हितग्राही का मान सम्मान और इज्जत बढ़ी

प्रधानमंत्री अवास (ग्रामीण) योजनांतर्गत आवासहीन गरीब परिवारों को आवास उपलब्ध कराया जाता है। यह सफलता की कहानी है श्री केरम सिंह सोलंकी की जिन्होंने अपने सपनों के आवास को प्राप्त कर अत्यंत खुशी हुई है। ग्राम पंचायत बिलास जनपद पंचायत जोवट जिला अलीराजपुर के निवासी हैं श्री सोलंकी जनपद पंचायत जोबट से 8 कि.मी. पर स्थित है एवं श्री केरम सिंह सोलंकी अत्यंत गरीब परिवार से है ये मिस्त्री का भी कार्य करते है जिससे इनको अपना परिवार चलाने में बहुत मुश्किल होती है। इनके परिवार में पत्नी, पुत्र व पुत्री है केरम सिंह सोलंकी का कहना है कि ग्राम पंचायत सचिव ने आकर सूचना दी है कि वर्ष 2019–2020 में आपको प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत आपका आवास स्वीकृत हुआ है परिवार में घर के सभी लोगों को बहुत खुशी हुई है एवं हमारे परिवार के सदस्यों ने तय किया है शासन से मिलने वाली आर्थिक सहायता अनुदान राशि रुपये 1,20,000, जिसमें प्रथम किस्त 25.000 रूपये, द्वितीय किस्त 40.000 रूपये, तृतीय किस्त 40,000 रूपये एवं चतुर्थ किस्त 15,000 रूपये तथा 90 दिवस की मजदूरी प्राप्त हुई।

बचत की राशि मिलाकर हम बहुत अच्छा मकान का निर्माण किया है। परिवार के सभी लोगों ने बहुत मेहनत की है एवं बहुत अच्छा मकान बनाया है जनपद पंचायत से मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) कोर्डिनेटर, सहायक विकास विस्तार अधिकारी, ग्राम पंचायत सरपंच/ सचिव / ग्राम रोजगार सहायक द्वारा भी हमें बहुत अच्छा प्रोत्साहित किया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से प्राप्त आर्थिक सहायता अनुदान राशि एवं घर से सहयोग राशि कर मकान का अच्छा निर्माण हो गया है जो कि बिना अनुदान के सम्भव नही था। भारत सरकार की इस योजना से मेरे जैसे गरीब परिवार का आवास निर्माण हो गया है एवं मेरा परिवार बहुत आनंदित, उत्साह, प्रसन्नता एवं हमारी खुशी से पक्के मकान में रहना शुरु किया है। इस जन उपयोगी योजना को में परिवार सहित धन्यवाद देते है इस योजना के लाभ से मेरी समाज मे बहुत मान–सम्मान एवं इज्जत बढी है।

सज्जन सिंह चौहान
संकाय सदस्य

लॉकडाउन में कोरोना वायरस के संक्रमण रोकने हेतु सक्रिय मास्टर रिसोर्स परसन

श्री संजय कुमार सराफ संचालक महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज संस्थान जबलपुर के अथक प्रयास से राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज प्रशिक्षण संस्थान हैदराबाद द्वारा चयनित मास्टर रिसोर्स परसन पंचायतों में लॉकडाउन

के दौरान कोरोना वायरस के संक्रमण रोकने में सक्रिय भूमिका निभा रहे है। श्रीमती ममता तिवारी मास्टर रिसोर्स परसन जिला विदिशा मध्यप्रदेश ने लॉकडाउन के दौरान ड्यूटी में कार्यरत् पुलिस कर्मी एवं हॉस्टल में रह रहे मजदूरों एवं चिकित्सालय में भर्ती मरीजों को चाय बिस्किट वितरण किया एवं 160 बैग आटा जरूरतमंद लोगों में वितरण किया गया। इस कार्य में साई सेवा आश्रम विदिशा ने भी सहयोग दिया एवं मजूदरों को हाथ धोने एवं सोशल डिस्टेसिंग को समझाया गया तथा मास्क वितरित कर लोगों को मास्क पहनकर बाहर निकलने की सलाह दी गई।

जिला बैतूल जनपद पंचायत आमला की श्रीमती रंजनी सोनी मास्टर रिसोर्स परसन द्वारा मनरेगा के कार्यरत मजूदरो को हाथ धोने मास्क लगाने सोशल डिस्टेसिंग का पालन कर काम करने हेतु प्रेरित किया गया घर घर जाकर मजदूरो को मास्क भी वितरण किया गये। जिला छिंदवाडा जनपद पंचायत अमरवाडा के श्री राजेश तिवारी मास्टर रिसोर्स परसन द्वारा मजदूरो को सोशल डिस्टेसिंग का पालन कर काम करने एवं प्रधानमंत्री राहत कोष में दान करने हेतु प्रेरित किया गया। मजदूरो को अनाज एवं भोजन देकर सहयोग किया गया नगरपालिका अमरवाडा के सहयोग से पूरी बस्ती को सेनटाइज करने में सहयोग किया गया। जिला बैतूल जनपद पंचायत बैतूल की श्रीमती चारूमति बंजारे मास्टर रिसोर्स परसन द्वारा अपने आस–पास के क्षेत्र के लोगो को मास्क लगा कर कार्य करना एवं सोशल डिस्टेंसिंग के संबंध में चर्चा कर जागरूक किया गया एवं यदि किसी व्यक्ति या परिवार को पलंग एवं व्हील चेयर की आवश्यकता हो तो निःशुल्क उपलब्ध कराने हेतु अपना पता एवं मोबइल नबंर दिया गया।

जिला सिवनी जनपद पंचायत घंसौर श्री शरद नामदेव मास्टर रिसोर्स परसन जनपद पंचायत धनौरा जिला सिवनी द्वारा घर घर जाकर लोगो को कोरोना से बचने का संदेश दिया गया। स्वास्थ विभाग के सहयोग से कोरोना से कैसे बचे इसका इसका भी प्रचार प्रसार किया गया। मजदूरों को हाथ धोने एवं मास्क लगाने तथा दूरिया बनाकर काम करने हेतु जागरूक किया गया। पंचायतों के ग्रामों में लॉकडाउन के दौरान कोरोना संक्रमण रोकने हेतु मास्टर रिसोर्स परसन द्वारा किये जा रहे प्रयास सराहनीय है।

सी.के. चौबे,
संकाय सदस्य

नई शिक्षा नीति 2020 (स्कूल शिक्षा के संदर्भ में)

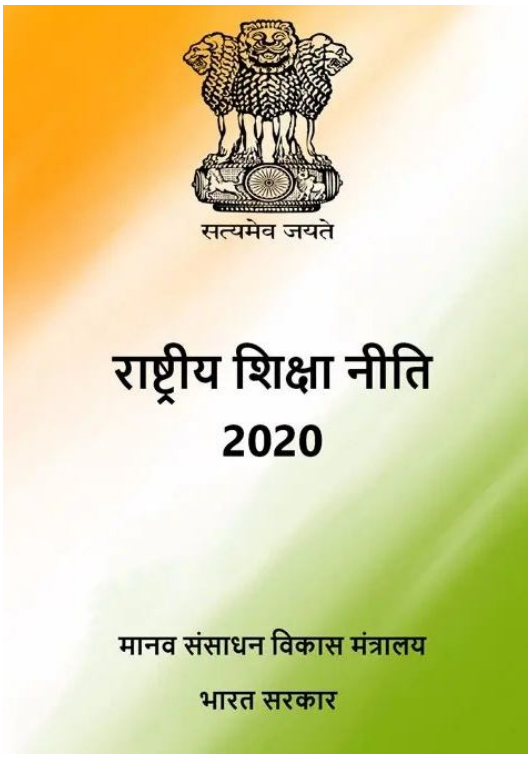

केन्द्र सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को मंजूरी दे दी है। यह शिक्षा नीति 34 वर्ष पुरानी राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रतिस्थापित करेगी ।

नई शिक्षा नीति को बनाने के लिये जून 2017 में पूर्व इसरो प्रमुख डॉ.कस्तुरी रंगन की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया था इस समिति ने मई 2019 में '' राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मसौदा'' प्रस्तुत किया था।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, 1968 और वर्ष 1986 के बाद स्वतंत्र भारत की तीसरी शिक्षा नीति होगी ।

पहली शिक्षा नीति 1968 में आई थी इन्दिरा गांधी की सरकार में व दूसरी शिक्षा नीति की सरकार में व दूसरी शिक्षा नीति आई 1986 में राजीव गांधी की सरकार में जिसमें 1992 में पी.व्ही नरसिम्हा सरकार में संशोधित किया था ।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की प्रमुख बातें

''स्कूल शिक्षा के संदर्भ में''

- 34 वर्ष बाद आई शिक्षा नीति में स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक कई बदलाव किये गये है ।
- बच्चों पर से बोर्ड परिक्षाओं का भार कम किया जाएगा ।
- स्कूलों में 10+2 खत्म कर अब शुरू होगा 5+3+3+4
- प्रथम स्टेज अब स्कूल के पहले 5 साल में प्री–प्रायमरी स्कूल के 3 साल और कक्षा 1 और कक्षा 2 सहित फाउण्डेशन स्टेज शामिल होगी ।
- इन पांच सालों के लिये नया पाठ्यक्रम तैय्यार होगा ।
- द्वितीय स्टेज में अगले 3 साल का स्टेज कक्षा 3 से कक्षा 5 तक का होगा ।
- तृतीय स्टेज कक्षा 6 से कक्षा 8 तक कक्षा 6 टी से बच्चो को प्रोफेशनल और स्कील की शिक्षा दी जाएगी स्थानीय स्तर पर इन्टर्नशिप भी कराई जाएगी ताकि बच्चों को अच्छे रोजगार के अवसर मिल सकें ।

- **चतुर्थ स्टेज** – स्टेज कक्षा 9 से 12 तक का होगा इसमें छात्रों को विषय चुनने की आजादी होगी सांईस या गणित के अन्य विषय भी पढ़ने की आजादी होगी पहले कक्षा 1 से 10 तक सामान्य पढाई होती थी सिर्फ कक्षा 11 में विषय चुन सकते थे ।

1. **सरकारी स्कूलों में बदलाव** :–

   अभी तक सरकारी स्कूल पहली कक्षा से शुरू होते थे लेकिन नई शिक्षा नीति के लागू होने पर बच्चे को 5 साल के फाउण्डेशन स्टेज से गुजरना होगा ।

   - पहले स्टेज में 5 साल के लिये बच्चों की उम्र 3 से 8 वर्ष होगी ।
   - द्वितीय स्टेज में 3 साल के लिये बच्चों की उम्र 8 से 11 वर्ष की होगी ।
   - तृतीय स्टेज में 3 साल के लिये बच्चो की उम्र 14 से 18 वर्ष तक निर्धारित की गई
   - है।

2. **कक्षा 6 टी में रोजगार परक शिक्षा** –

   कक्षा 6 टी से ही बच्चों को व्यवसायिक शिक्षा कौशल विकास पर बल दिया जावेगा ।

3. **10 वी से 12 की बोर्ड परिक्षाएं आसान होगी** –

   10 वी और 12 वी बोर्ड की परिक्षाओं में बडे बदलाव किये जाएगे ।

   साल में दो बार परिक्षाएं होगीं,प्रश्न वस्तुनिष्ठ व व्याख्यान श्रेणी में विभक्त होगे ।

   बोर्ड परिक्षाओं में मुख्य जोर ज्ञान के परिक्षण पर होगा ताकि बच्चों को रटना न पडे एवं रटने की प्रर्वती खत्म हो, कोचिंग से मुक्ति मिलेगी ।

4. **5 वी तक मातृभाषा में पढाई** – नई शिक्षा नीति में 5 वी तक और सम्भव हो सके तो 8 वी तक भी मातृभाषा में पढाई हो सकेंगी ।

5. **स्कूल में बच्चों की परफॉर्मेंस का आकंलन** – बच्चों के रिपोर्ट कार्ड में बदलाव होगा उनका तीन स्तर पर आकलन होगा ।

   - छात्र स्वयं करेगा
   - सहपाठी करेगा
   - उसके शिक्षक द्वारा

श्रीमती उर्मिला पंवार,
संकाय सदस्य

कोरोनो संक्रमण से बचाव की मुहिम में किये गये अभिनव प्रयास

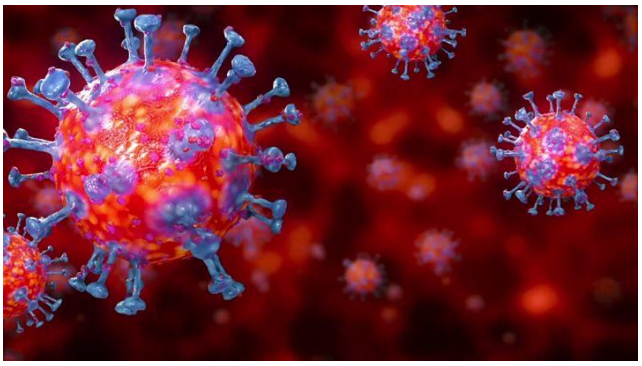

मध्यप्रदेश राज्य के पश्चिमी छोर पर स्थित अनुसूचित बाहुल्य जिले बडवानी के सेंधवा जनपद क्षेत्र के ग्रामीण जन ने शासन के समस्त दिशा–निर्देशों का पालन करते हुए सेवा कार्य किया ।

सेंधवा जनपद के कार्य क्षेत्र में कुल 114 ग्रामपंचायतों में 154 ग्राम है जिसमें से 48 ग्राम महाराष्ट्र राज्य की सीमा से लगे हुए है।

जनता कर्फ्यू एवं लॉक डाउन के दौरान ग्रामीणों ने कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से लड़ने के लिये अपने पूर्ण साहस का परिचय देते हुए समस्त 114 ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों ने ग्रामीण जनता को मास्क एवं सेनेटाईजर का वितरण किया गया और उपयोग करने का तरीका बताया ।

स्वच्छ बनाये रखना शरीरिक दूरी का पालन करना एवं ग्राम को सेनेटाईज किये जाने का कार्य लगातार किया गया ।

सेंधवा जनपद क्षेत्र के ग्रामीण अंचल का आदिवासी वर्ग बहुत बडी संख्या में महाराष्ट्र राज्य के विभिन्न शहरों में आजीविका के लिए पलायन करता है। राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन घोषित होने पर प्रशासन के सहयोग से 3818 ग्रामीणों को महाराष्ट्र सीमा पलासनेर से सेंधवा होकर अपने–अपने ग्रामों में गन्तव्य तक पहुचाया गया इन सभी 3818 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण ग्राम पंचायत के सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों के द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र धनोरा, चापरिया, बलवाडी, बरला, धवली, एवं सिविल अस्पताल सेंधवा में करवाया गया ।

महाराष्ट्र सीमा पलासनेर से दिनांक 30.03.20 से 04.04.2020 की अवधि में लौटे 885 आगन्तुक जो राजस्थान, कर्नाटक एवं मध्यप्रदेश राज्य के अन्य जिलों के निवासी थे उन्हें सेंधवा में स्थानीय एकलव्य एवं पोलिटेक्नीक महाविद्यालय में ठहराया गया ।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सेंधवा के मार्गदर्शन में आगन्तुक ग्रामीणों का प्रतिदिवस स्वास्थ्य परीक्षण, चाय, नाश्ता, भोजन, पेयजल तथा बच्चों के लिये दूध एवं बिस्किट का प्रबंधन नांगलवाडी मंदिर एवं ग्राम मडगांव के ग्रामीणों के सहयोग से किया गया ।

कोरोना के संकट काल में सेंधवा जनपद का समस्त जनपद स्तरीय अमला प्रशासन के साथ तत्परता पूर्वक कार्य करते हुए ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों को संक्रमण मुक्त रखने हेतु प्रयत्नशील है तथा अपने संयम और साहस का परिचय देते हुए प्रशासन के साथ कदम से कदम मिलाकर कोरोना योद्धा के रूप में मुस्तैदी से लगा हुआ है ।

चंद्रेश कुमार लाड़,
संकाय सदस्य

सपनों को साकार करता समूह

ग्राम रतुआ रतनपुर जनपद पंचायत बैरसिया, जिला भोपाल की श्रीमती मालती कुशवाह पति नरेन्द्र कुशवाह, उम्र 27 वर्ष, शिक्षा 10 वीं, कल्पना आजीविका स्व–सहायता समूह की सदस्य जिसमें कुल 13 सदस्य हैं।

समूह के माध्यम से इनकी स्थिति आर्थिक एवं सामाजिक रूप से मजबूत हुई एवं समाज एवं ग्राम में स्वयं की पहचान बनाई। आर्थिक स्थिति में धीरे–धीरे सुधार हुआ और कच्चे मकान से पक्का मकान बनाने का सपना पूरा हुआ, धीरे–धीरे समाज में प्रतिष्ठा बढ़ी। समूह से जुड़ने के पश्चात समूह से आसानी से ऋण प्राप्त हुआ एवं पति को भी नया रोजगार मिला। परिवार मे स्वच्छ कपडे अच्छा भोजन बच्चों की शिक्षा पर ध्यान देना एवं पति पत्नि दोनो को बराबरी का हक मिला घर और समाज में दोनो के काम करने से आत्म विश्वास मे बढोतरी हुई।

जनरल स्टोर व सिलाई कार्य करने के बाद अब आर्थिक स्थिति सामान्य हो रही है जिससे परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति आसानी से हो रही है। पहले पति नरेन्द्र के द्वारा साईकिल से मनीहीरी का समान एक गाँव पूरे दिन में घूम कर 100 एवं 200 कमाते थे और मालती दीदी मजदूरी करती थी और ऐसा कोई काम भी नहीं आता था जिससे आय का साधन बन सके ।

समूह में जुड़ने के पश्चात् रूडसेट के माध्यम से सिलाई सीखी और समूह से 5000 रूपये लेकर घर पर सिलाई मशीन खरीदी और साथ ही जनरल स्टोर की शुरूआत की जिसमें सभी प्रकार की सामग्री रखी आज ग्रामीण दीदीयों को मार्केट नही जाना पडता है। मालती दीदी ने घर पर रहकर काम शुरू किया जिससे लगभग 3000 से 5000 हजार रूपये प्रति माह के कमा लेती है। और साथ ही स्कूल की ड्रेस सिलाई कार्य मिला जिसमें मालती दीदी ने 25000 रूपये कमाये उन्नती आजीविका ग्राम सगठंन ग्राम रतुआरतनपुर द्वारा 50000 रूपये लिये जिससे मालती दीदी ने पति को ओमनी गाड़ी दिलवाई अब आसनी से पति नरेन्द 3 से 5 गावं में गाडी घुमाकर मनहारी एवं साढ़ी आदि सामान बेचने और अन्य कार्य आसानी से कर पाते है। दोनो पति पत्नि 8 से 12 हजार कमा लेते है। मालती दीदी द्धारा अब परिवार के पालन पोषण के साथ बचत करना भी शुरू किया है। ताकि बचत राशी बुरे वक्त मे काम आ सके। ***"आज कि बचत कल का सहारा इसी सिद्वान्त के साथ मालती दीदी समूह का कार्य नियमित रूप से कर रही है।"***

अशोक गोयल
संकाय सदस्य

सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रति जागरूकता अभियान

जनपद पंचायत सिवनी मालवा जिला होशंगाबाद में एमआरपी सौरभ जाटव द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक एकत्रीकरण एवं पृथककरण के लिए अभियान चलाया गया है। जिसमें उनके द्वारा क्षेत्र में व्यवसाय कर रहे व्यापारियों एवं प्रतिष्ठानों से संपर्क कर प्लास्टिक का उपयोग न करने का आग्रह किया गया है। इनके द्वारा सहयोगियों को साथ लेते हुए घर–घर जाकर नागरिकों को प्लाष्टिक उपयोग न करने की समझाईस दी गई इस कार्य में यहां के सामाजिक कार्यकर्ता श्री प्रकाश कुश्वाहा द्वारा ग्रामीणों को सिंगल यूज प्लास्टिक के संबंध में काफी जानकारी प्रदान की गई उनके द्वारा बताया गया कि–

सिंगल यूज प्लास्टिक क्या है।

वो प्लास्टिक जिसका इस्तेमाल सिर्फ एक बार किया जाता है उसे सिंगल यूज प्लास्टिक कहते हैं। रोजमर्रा की जिंदगी में हम प्लास्टिक के कई प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करते हैं और उन्हें फेंक देते हैं। ये प्रोडक्ट्स सिंगल यूज प्लास्टिक में आते हैं. सिंगल यूज प्लास्टिक को डिस्पोजेबल प्लास्टिक भी कहते हैं। सिंगल यूज प्लास्टिक में कैरी बैग छोटी रैपिंग पैकिंग, फोम वाले कप प्याले, कटोरे, प्लेट, लेमिनेट किये गए बाउल और प्लेट, छोटे प्लास्टिक कप प्लास्टिक स्टिक और इयर बड्स, गुब्बारे, झंडे और कैंडी, पेय पदार्थों के लिए छोटे प्लास्टिक पैकेट और सड़क के किनारे बैनर शामिल है।

उपरोक्त चित्रों के माध्यम से समझा जा सकता है कि इससे हमारा वातावरण कितना प्रदूषित होता है चूंकि इस प्लास्टिक को नष्ट भी नहीं किया जा सकता जिससे इसको पशुओं द्वारा खाने की वस्तुओं के साथ निगलने पर उनकी मृत्यु तक हो जाती है। पशु के साथ–साथ इनका निरंतर उपयोग करते रहने पर मनुष्यों में भी घातक बीमारियां होने का खतरा होता है।

भारत के बहुत से राज्यों में वहां की सरकारों द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाई गई है। जिनमें हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, पंजाब, हरियाणा, केरल, महाराष्ट्र एवं देश की राजधानी दिल्ली भी शामिल है।

इनके द्वारा ग्रामीणों को बताया गया कि वे पानी की बोतलों की जगह पर कॉपर, शीशा या धातु की बोतलों का इस्तेमाल कर सकते हैं। स्ट्रा का इस्तेमाल करना जरूरी नहीं है लेकिन फिर भी अगर आपको जरूरत है तो आप पेपर के बने स्ट्रॉ का प्रयोग कर सकते हैं। प्लास्टिक के कप की जगह पेपर से बने कप का इस्तेमाल कर सकते हैं। सामान खरीदने के लिए घर से थैला लेकर जाएं, ध्यान रहे कि जूट या कागज की बनी थैली ही इस्तेमाल करें। प्लास्टिक की जगह आप स्टील और लकड़ी के चम्मच इस्तेमाल कर सकते हैं।

इनके द्वारा अपने स्तर से कागज की थैलियां एवं कपड़े के थैले बनाकर वितरित किये गये। अब दुकानों पर प्लास्टिक की थैलियों में सामग्री नहीं दी जाती और नागरिक भी जागरूकता का परिचय देते हुए कपड़े का थैला अपने साथ लेकर आते है।

संजय आचार्य,
संकाय सदस्य

विधवा महिला का पुनःविवाह जिले में एक नई मिसाल बनी

के

सीहोर जिले के ग्राम पंचायत चेनपुरा के ग्राम नापली में श्रीमति जमना बाई पिता मांगी लाल उम्र 36 वर्ष का विवाह 24 वर्ष की उम्र में ग्राम नयापुरा तहसील इछावर जिला सीहोर में विवाह संपन्न हुआ था। विवाह के 5 वर्ष पश्चात् श्रीमति जमना बाई को 2 वच्चे हुए इनके पति की बीमारी के कारण मृत्यु हो गई। ससुराल में उसे परेशान किया जाने लगा एवं किसी प्रकार की कोई सहायता नहीं की गई इस कारण वह अपने पिता के घर नापली में आकर रहने लगी।

जनपद पंचायत सीहोर के सहायक विकास विस्तार अधिकारी एवं विकास खंण्ड अधिकारी के प्रयासों से श्रीमति जमना बाई के पुनः विवाह के प्रस्ताव को मांगीलाल के परिवार के समक्ष रखा गया। ग्राम चितालिया देव तहसील एवं जिला सीहोर के रहने वाले रामेश्वर मालवीय भी श्रीमति जमनाबाई के साथ विवाह करने के लिए तैयार हो गए। लॉकडाउन दौरान दिनांक 14 अप्रैल 2020 को काकढ़खेड़ा में श्रीमति जमनाबाई का पुनः विवाह संपन्न कराया गया। विवाह के उपरांत दोनों ही परिवार अत्यंत खुश हैं एवं विवाहिक जोड़ा अपना जीवन सुखमय व्यतीत कर रहे हैं। उक्त विवाह संपन्न होने के उपरांत अधिकारियों द्वारा आशवासन दिया गया कि म.प्र. सरकार की विधवा पुनः विवाह योजना में विधवा महिला से शादी करने वाले को 2 लाख रूपये दिये जाने का प्रावधान है। जिसके लिए महिला की आयु 45 वर्ष से कम होना अनिवार्य है।

इस प्रकार विधवा महिला से विवाह करने से जिले में एक मिशाल पेश हुई जिससे क्षेत्र में अन्य लोगों को इससे प्रेरणा मिलेगी और यह महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में एक बहुत वड़ा कदम होगा।

प्रकाश कड़वे,
संकाय सदस्य

कोविड–19 में मनरेगा गारंटी अधिनियम बना मजदूरो का सहारा

मनरेगा गारंटी अधिनियम एक राष्ट्रीय गारंटी अधिनियम है यह एक ऐसी योजना है जिसमें अकुशल श्रमिको को गॉव में ही रहकर कार्य एवं दैनिक मजदूरी मिलती है पर मजदूरो को मनरेगा में काम मिलने के बावजूद मजदूर ज्यादा पैसा कमाने के लालच में शहर की ओर पलायन कर जाते है और सरकार की योजना में अपना सकारात्मक एवं गॉव के विकास में अपनी सही भागीदारी सुनिश्चत नही कर पाते थे जिससे कार्य प्रभावित होता था परन्तु आज वैश्विक कोविड–19 महामारी के चलते प्रवासी मजदूर गॉव में आकर कार्य कर रहे है।

जब से कोविड–19 वैश्विक महामारी फैली है और गॉव के मजदूर वर्ग के लोग जो अन्य शहरो में फसे हुये थे वे सब गॉव वापस आ गये है उनके पास घर का खर्च चलाने के लिए पैसा और पेट भरने के लिए आनाज नही है ऐसे मजदूरो को अब गॉव में ही रहकर ग्राम पंचायत में कार्य की मॉग करने पर कार्य एवं दैनिक मजदूरी दी जा रही है और साथ ही उचित मूल्य की दुकान से अग्रिम आनाज की वितरित किया जा रहा है ताकि कोई भी व्यक्ति गॉव में भूखा न सोये।

ऐसे में मनरेगा ही मजदूरो का सहारा बना है और म.प्र. सरकार द्वारा मनरेगा योजना के अंतर्गत बहुत सी उपयोजनाओ में कार्य दिये जा रहे है ताकि अधिक से अधिक मजदूर वर्ग के लोग कार्य कर सके म.प्र. की सभी ग्राम पंचायतो में मनरेगा के अंतर्गत

खेत तालाब मेड बंधान, तालाब निर्माण , कूप निर्माण, सुदूर रोड एवं जल ग्रहण क्षेत्र से संबधित लूज वोल्टर , गेवियन चेक कंटूर ट्रेंच एवं वृक्षारोपण आदि बहुत से कार्य करवाये जा रहे है।

इसी कडी में म.प्र. बुंदेल खण्ड अंचल के जिला छतरपुर जनपद राजनगर की ग्राम पंचायत सेवडी की बात कर रहे है जिसमें हमने पिछली कडी में गौशाला योजना एवं खेल मैदान की चर्चा की थी और इस कडी में हम मनरेगा द्वारा कराये जा रहे कार्यो की चर्चा करेगे इस गॉव में मनरेगा अंतर्गत सुदूर रोड कंटूर ट्रेंच, लूज वोल्टर , खेत तालाब वृक्षारोपण आदि कार्य हो रहे है।

इस गॉव में बाहर से आये लगभग 560 प्रवासी मजदूर जो अन्य प्रदेशो में फसे हुये थे वो सब वापस आ गये है इसमें ग्राम पंचायत के सरपंच श्री पंकज नायक सचिव श्री बारे लाल प्रजापति है इस ग्राम पंचायत की आबादी लगभग 4462 है। इस ग्राम पंचायत में बच्चो को मानसिक एवं शारीरिक विकास के लिए ऑगनबाडी, विघालय बच्चो के खेल मैदान पार्क की व्यवस्था एवं प्राथमिक उपस्वास्थ्य केन्द्र साप्ताहिक हाट बाजार आवागमन के लिए सीसी रोड, सुदूर रोड पुलिया निर्माण कार्य एवं पानी के लिए कपिलधारा तालाब निर्माण आदि की सामुचित व्यवस्था है।

ग्राम पंचायत की टीम, स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास विभाग, एवं राजस्व विभाग के लोगो ने अपना कर्तव्य का निर्वहन करते हुये मजदूरो का स्वास्थ्य परीक्षण कर 14 दिन के लिये होम कोरेंटाईन कराया गया और 14 दिन बाद फिर से थर्मल स्क्रीनिंग कराई गयी और इन लोगो को समझाइस दी गयी कि सामाजिक दूरी बनाये रखे बार–बार हाथ धुले और सेनेटाइजर का उपयोग करे और मास्क लगाने की भी समझाइस दी गयी ताकि सभी लोग सुरक्षित रह सके और साथ ही उचित मूल्य की दुकान से अग्रिम आनाज वितरण का कार्य भी कराया गया। ग्राम पंचायत की टीम एवं सभी विभागो के समन्वय से पूरे गॉव

में घर–घर जाकर लोगो को इस महामारी के बारे में जागरूक किया और सुरक्षित रहने की हिदायत दी गयी।

ग्राम पंचायत में मनरेगा के द्वारा चल रहे कार्य में बाहर से आये प्रवासी मजदूर जो काम की मॉग कर रहे है उन्हे मनरेगा में चल रहे कार्यो में काम दिया जा रहा है –

1 लूज वोल्टर– इस गॉव में पानी की समस्या एवं निम्न स्तर होने के कारण जल ग्रहण क्षेत्र सम्बधित सिद्वांतो को ध्यान में रखते हुये गॉव की छोटी छोटी पहाडीयों पर जहा से पानी बहने की धारा ज्यादा होती है उस धारा को कम करने के लिए 12 मीटर लंबे 2 से 3 फीट गहरे संरचनाये बनाये गये है जिसके कारण पानी जमीन स्तर पर धीरे धीरे सोखने लगे ताकि इन

वेश को बनाने से पानी के स्तर में कुछ सुधार हो सके। लूज वोल्टर लगभग 52 बन चुके है प्रत्येक लूज वोल्टर की लागत राशि 18–20 हजार रूपये एवं स्वीकृत वर्ष 2019–20 है।

2 कंटूर ट्रेंच– कंटूर ट्रेंच गॉव से लगे हुये पहाडियों में बनाये जाते है ताकि पहाडियो का पानी गॉव के बाहर न जा सकें। गॉव का पानी गॉव में ही रहे, पहाडियो में कंटूर ट्रेंच 6 मीटर लंबे 1 मीटर चौडा और 1 मीटर गहरे संरचनाओ में बनाये जाते है कंटूर ट्रेंच 2–2 के गैप में बनाये जाते है ताकि जब कंटूर

ट्रेंच में पानी भर जाये तो बाकि बचा हुआ पानी उसके नीचे के कंटूर में भर जाये। इस तरह से कंटूर पानी के बचाव के लिए अच्छा साधन है। कंटूर ट्रेंच लगभग 100 बन चुके है एवं स्वीकृत वर्ष 2019–20 है।

3 खेत तालाब– गॉव में सार्वजनिक खेत तालाब बनवाये जा रहे है ताकि गॉव में खेतो के उपयोग के लिए पानी एवं मछली पालन के लिये इसका उपयोग किया जा सके। इसकी लागत राशि लगभग 3.30 लाख रूपये एवं स्वीकृत वर्ष 2019–20 है।

4 सुदूर रोड– सूदूर रोड का मुख्य उद्देश्य है कि गॉव को मुख्य मार्ग से जोडा जा सके ताकि गॉव में आवागमन एवं यातायात की सुविधा सरल हो सके। सुदूर रोड लगभग 990 मीटर की मुख्य मार्ग से गौशाला की ओर बनवाई जा रही है। इसकी लागत लगभग 13.40 लाख रूपये एवं स्वीकृत वर्ष 2019–20 है।

5 वृक्षारोपण– इसी के साथ ही वृक्षारोपण का कार्य भी किया जा रहा है इस वृक्षारोपण में सभी फलदार पौधे जैसे ऑवला, अमरूद, आम, कटहल आदि पौधे लगाये जा रहे है ताकि भविष्य में इसका उपयोग किया जा सके।

मनरेगा योजना भी एक महत्वपूर्ण गारंटी अधिनियम है जिसमें बहुत सारी उपयोजनाओ का एंव कार्यो का समागम है जो गॉव के सम्पूर्ण विकास के लिए बहुत जरूरी योजना है और गॉव में एक वर्ष में एक परिवार को कम से कम 100 दिवस का रोजगार देना एक अद्भुत बात है कि गॉव के विकास के साथ साथ मानव विकास एवं आर्थिक विकास को भी पिरोकर रखे हुये है ऐसी ही सफल योजनाये सभी ग्राम पंचायतो में अपनी सकारात्मक भूमिका एवं महत्पूर्ण बनी रहे इसी आशा के साथ.....

लवली मिश्रा,
संकाय सदस्य

नाला बन गया झील

आकाश हमेशा की तरह साफ होता है, बस कभी–कभी बादल आकर उसको धूमिल कर देते हैं, इसी प्रकार हमारा मस्तिष्क भी एक साफ स्टेल की तरह है, बस कभी–कभी इसे विचारों से इतना प्रभावित होने देते हैं कि इसका मूल रूप विस्मृत हो जाता है। हमारा जीवन एक सुन्दर निरन्तर बहती हुई नदी के समान है, बस हमने अपनी भाग–दौड़ भरी जिन्दगी में इसकी सुन्दरता खो दी है।

अब मैं बरसाती नही रहा यह उद्घोष हिम्मतपुरा में आसानी से सुना जा सकता है, दमोह जिले की बटियागढ़ तहसील के सीमा पर लगे पहाड़ो का अस्तित्व जब से है तभी से मैं बह रहा हूं लेकिन

बारिस के मौसम में भी पतली धार का मालिक हुआ करता था, वर्षो से मेरी यही कहानी है, लेकिन मई 2019 में मेरी काया कल्प की नीव रखी गई और मेरे महत्व को समझते हुए हिम्मतपुरा में मेरी धार को रोकने हेतु कलेक्टर महोदय ने मनरेगा से स्टापडेम स्वीकृत किया। देखते ही देखते 14.85 लाख रुपये से 12 मीटर लंबा, 2 मीटर चौड़ा और 6 फुट ऊचा स्टापडेम तैयार किया गया। मेरी प्रसन्नता का ठिकाना नही रहा, बारिस की एक–एक बूंद सहेजने के लिए मैं तैयार हो गया। शीघ्र ही बारिश की बूंदे पड़ने लगी, नाला होते हुए भी मैं झील में परिवर्तित होने लगा। हजारो मछलियों को आश्रय मिलने लगा, दमोह–छतरपुर मार्ग से निकलने वाले यात्रियों की आंखों को सुकुन मिलने लगा। मेरे बाजू में ही रहने वाली छोटीबाई मेरा गुणगान करने लगी, उनके घर के सामने सदा उदासी छाई रहती थी। अब दिनभर मेला लगा रहता है,जिस नाले मे दिवाली तक पानी खत्म हो जाता था, लेकिन अब अविरल पानी बह रहा है। छोटीबाई स्वयं 1 किमी. दूर खदान जाकर नहाती, कपड़े धोती लेकिन अब घर के सामने ही नदी स्वरुपा झील है, यहा स्नान व निस्तार करने के लिए घनश्यामपुरा और बटियागढ के लोग आते है। बड़ी संख्या में धोने के कपड़े लाते है और घाटनुमा स्टापडेम पर बहते पानी में उत्साहपूर्वक कपड़े धोते है। श्री हीरालाल आदिवासी स्टामडेम के गहरे पानी में

ऊंची छलांग लगाते है और स्टामडेम में रुके हुये पानी के प्रति आभार व्यक्त करते है।

भागीरथ आदिवासी भी स्टामडेम के बाजू में रहते है और खुशी–खुशी कहते है कि 500 से 700 बच्चे, बूढ़े, महिलाएं प्रतिदिन यहा दैनिक जरुरतो की पूर्ति करते है। श्री भागीरथ बताते है कि इस स्टापडेम के ऊपर ही एक और स्टापडेम बनाया गया है, जो प्राकृतिक सर्विस सेन्टर बन गया है। वहा पर दर्जनों दोपहिया वाहन और चार पहिया वाहन धोये जाते है। दमोह–छतरपुर मार्ग पर चलने वाले ड्राईवर घण्टो ट्रक रोककर स्नान करते है और कपड़े धोते है।

बटियागढ में बहने के कारण बटईया ही मेरी नियति थी, पर अब मुझे खुद पर गर्व होने लगा है। मैं सपने देखने लगा हूं, मेरे किनारो को गेवियन स्ट्रक्चर बनाकर सुसज्जित कर दिया जाये तो मेरी सुंदरता भी बड़ जायेगी और किनारो का कटाव भी रुक जायेगा। किनारो पर पेड़ लग जायेगे तो नजारा अदभुत होगा।

मैं पहाड़ से शुरु होकर जूड़ी नदी में मिलने से पहले लगभग 12 किमी. लंबाई में बहता हूं। यदि जगह–जगह स्टामडेम बनाकर मेरे पानी को रोक लिया गया तो फिर कभी पानी की कमी नही होने दूंगा। हिम्मतपुरा में बने इस स्टापडेम के कारण मैं जी–भर कर भूमिजल को रीचार्ज करुगां।

जंगल से लौटकर गाय, भैसे, बकरिया अपने–अपने घर जाते है तो झुण्ड के झुण्ड बेजुवान पशु मेरे आंचल के स्वच्छ जल से अपनी प्यास बुझाते है तो मैं अपने सुकुन को बयान नही कर सकता। बस एक 15 फुट का गऊघाट मेरे किनारे बना दिया जाये ताकि बेजुवान पशु आसानी से पानी पी सके। प्रतिदिन एक व्यक्ति को 35 लीटर पानी की जरुरत है, और जिसकी कीमत औसतन 2 रुपये होती है। इस तरह 500 लोगो की दैनिक जरुरतो को प्रतिदिन पूरा कर 1000/– रुपये का प्रत्यक्ष योगदान प्रतिदिन कर रहा हूं। अप्रत्यक्ष योगदान की गणना करना संभव नही है।

हुजुर मुझे नाला कहकर शर्मिदा नही करना मै अब नाला नही रहा अब मैं झील बन रहा हूं मै जीवनदायी बन रहा हूं मै उपयोगी बन रहा हूं मेरा अस्तित्व स्वीकारा जाने लगा है आप भी आईये मेरी कायाकल्प पर नजर दौडाईये आप खुद कह देगे इसी तरह का एक और स्टापडेम मेरी शुरुआत में बना दीजिए भले ही लागत 50.00 लाख क्यों न हो। मजदूरी सामग्री अनुपात की परवाह मत कीजिए मेरी परवाह कीजिए मैं ग्रामवासियों की परवाह करुगां निरीह प्राणियों की परवाह करुगां, भूमिजल कम नही होने दूगां। आप जितना रुपया मुझ बेजुवान पर खर्च करुगां उसका कई गुना जल मैं अपनी गोद में समेट लूगां।

मैं यह बताना तो भूल ही गया कि हिम्मतपुरा में कोई सरोवर नही है, कोई तालाब नही है, कही पानी का संचयन नही है, परन्तु अब मैने सब की पूर्ति कर दी है, पर मुझे संतोष नही है। मैं अपने कोने–कोने में पानी रोक लेना चाहता हूं, बस आपकी मदद की जरुरत है। आप इच्छाशक्ति से मदद कर सकते है, आप स्वीकृति प्रदान करके मदद कर सकते है आप श्रमदान करने मेरी मदद कर सकते है, आप मेरी मदद करेगे तो मैं आपका एहसान कभी नही भूलूगां, कभी नही भूलूगां।

झनक सिंह कुहकुटे,
संकाय सदस्य

प्रशिक्षित ग्रामीण महिला राजमिस्त्री के हुनर का प्रेरणादाई अनुकरणीय उदाहरण – महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ओर सकारात्मक पहल

जनपद पंचायत बंण्डा अंतर्गत ग्राम पंचायत मोकलमऊ में कविताबाई विश्वकर्मा पत्नि श्री सुदामा विश्वकर्मा निवास करती है। कविताबाई विश्वकर्मा उनके पति ग्राम में मजदूरी कर जीवनयापन करते है।दोनो मजदूरी के रूप में अधिकतम 200 रू. प्रतिदिन मजदूरी प्राप्त करते है। घर में बडा परिवार है तथा इतनी कम मजदूरी में बहुत कठिनाई से भरण–पोषण हो पाता है। वर्ष 2019–20 में राजमिस्त्री प्रशिक्षण अंतर्गत इनके पडोस के ही कूर विश्वकर्मा का आवास प्रशिक्षण हेतु चयनित किया गया था। प्रशिक्षण हेतु कविता विश्वकर्मा को भी चयनित किया गया। राजमिस्त्री प्रशिक्षण 45 दिवस तक चलता है। यह प्रशिक्षण 16.05.2019 से 17.01.2020 तक चला। उक्त प्रशिक्षण अंतर्गत राजमिस्त्री से संबधित समस्त कार्यो का लिखित एवं भौतिक प्रशिक्षण कराया गया। आवास निर्माण अंतर्गत नींव निर्माण दीवाल निर्माण कालम निर्माण तथा छत निर्माण की पूरी जानकारी दी गई। उक्त आवास में नियुक्त डेमोस्ट्रेटर श्री रविन्द्र आठिया द्वारा कविता विश्वकर्मा एवं अन्य प्रशिक्षणार्थियों को निर्माण कार्य संबंधित समस्त विभागों का सूक्ष्मता से प्रशिक्षण कराया गया एवं पंचम चरण प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण अंतर्गत एनएसडीसी द्वारा परीक्षा कराई गयी जिसमें कविताबाई विश्वकर्मा उर्त्तीण हुई।

आज की स्थिति में कविता विश्वकर्मा महिला राजमिस्त्री का कार्य बडी कुशलता से संपादित कर रही है। तथा ग्राम के अन्य आवासो के निर्माण में अपनी सेवाएं दे रही है। तथा उनकी मजदूरी बढकर 200 रू से 400 रू हो गई है। जिसमें वह अपना एवं अपने परिवार का अच्छे से भरण–पोषणकर रही है। प्रशिक्षण पूर्व कविताबाई विश्वकर्मा के बच्चे ग्राम में ही विघालय में पढते थे तथा शिक्षा का स्तर निम्न ही था। अब कविता विश्वकर्मा के बच्चे खण्ड स्तर के अच्छे विधालय में पढते तथा अच्छी शिक्षा अर्जित कर अब कविताबाई विश्वकर्मा स्वयं के मकान का निर्माण कर रही है।

राजेन्द्र प्रसाद खरे,
संकाय सदस्य